डिजिटल ई-पेपर
मेवाड़ जगत
उदयपुर, मंगलवार, 16 जून 2026 वर्ष - 4 अंक : 28 पेज : 6

अर्थ डायग्नोस्टिक्स
Meaningful, Authentic & Dedicated
डबल क्वालिटी सर्टिफाइड
NABL & NABH
प्रमाणित
4-सी, एपेक्स चेम्बर,
भारतीय लोक कला मंडल के पीछे,
मधुबन, उदयपुर
Call: 70733 08880 / 70738 18880
अर्थ डायग्नोस्टिक्स
Meaningful, Authentic & Dedicated

पूर्व संध्या पर महाराणा प्रताप की 57 फीट ऊंची प्रतिमा का हुआ दुग्धाभिषेक

मोहन भागवत कल करेंगे राष्ट्र चेतना संकल्प सभा को संबोधित

मेवाड़ जगत

उदयपुर। महाराणा प्रताप जयंती एवं हल्दीघाटी विजय के 450वें वर्ष के उपलक्ष्य में बुधवार को महाराणा भूपाल स्टेडियम गांधी ग्राउंड में विशाल राष्ट्र चेतना संकल्प सभा का आयोजन होगा। सभा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में संत-महात्माओं का सान्निध्य रहेगा तथा मेवाड़-वागड़ सहित राजस्थान एवं अन्य राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं और नागरिकों के पहुंचने की संभावना है। मंगलवार शाम सभा की पूर्व संध्या पर प्रताप गौरव केन्द्र में स्थित 57 फीट ऊंची महाराणा प्रताप की बैठक प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया गया। इस दौरान महाराणा प्रताप के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख अरुण जैन, क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़ एवं क्षेत्र सह कार्यवाह गेंदालाल सैनी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वर्षभर चले समारोह का होगा समापन

प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतु:शती समारोह के तहत गत एक वर्ष से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राष्ट्र चेतना संकल्प सभा के साथ इन आयोजनों का समापन होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने का विशेष संयोग है, जबकि महाराणा प्रताप जयंती भी इसी अवसर पर मनाई जा रही है।

25 से 30 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान

समारोह संयोजक सीए महावीर चपलोत ने बताया कि आयोजन के लिए 20 से अधिक समितियों का गठन किया गया है। आवास, भोजन, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, चिकित्सा और स्वागत व्यवस्था के लिए अलग-अलग टीमें कार्य कर रही हैं। आयोजन में करीब 25 से 30 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसके लिए दो लाख वर्गफीट क्षेत्र में विशाल डोम तैयार किया गया है, जिसमें 20 हजार से अधिक कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। गर्मी से राहत के लिए पंखे और मिस्ट सिस्टम भी लगाए गए हैं।

प्रताप जयंती समारोह को लेकर नो फ्लाई जोन घोषित

प्रताप जयंती एवं हल्दीघाटी विजय स्मृति समारोह के मद्देनजर जिला प्रशासन ने प्रताप गौरव केंद्र और महाराणा भूपाल स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र को नो फ्लाई जोन घोषित किया है। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल के आदेशानुसार वीवीपीआई मूवमेंट को देखते हुए 16 जून शाम 6 बजे से 17 जून शाम 6 बजे तक ड्रोन, यूएवी, पैराग्लाइडर, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और हॉट एयर बैलून सहित सभी उड़ान गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने आदेश की पालना सुनिश्चित करने की अपील की है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाहर से आने वालों के लिए भोजन व विशेष परिवहन

आयोजकों ने बताया कि बाहर से आने वाले आगंतुकों के लिए 25 हजार से अधिक भोजन पैकेट तैयार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम समाप्ति के बाद पार्किंग स्थलों पर भोजन पैकेट वितरित किए जाएंगे। विभिन्न पार्किंग स्थलों से सभा स्थल तक विशेष वाहनों और गोल्फकार्ट की व्यवस्था भी की गई है।

2 लाख पत्रकों से पहुंचाई गाथा

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के महामंत्री दीपक कुमार शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम के निमित्त हल्दीघाटी विजय की गौरवगाथा पर आधारित दो लाख पत्रक छपवाकर उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों में वितरित किए गए। साथ ही गुजरात और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों तक भी यह संदेश पहुंचाया गया।

जगमगाया प्रताप गौरव केन्द्र

महाराणा प्रताप जयंती एवं हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रताप गौरव केन्द्र को विशेष रूप से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा है और दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

प्रशासन ने लिया जायजा

मंगलवार को जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने पार्किंग, सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

देबारी में पहली बार भव्य रूप से मनाई जाएगी प्रताप जयंती

मेवाड़ जगत

उदयपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर 17 जून बुधवार को देबारी स्थित माँ घाटा वाला माताजी मंदिर प्रांगण में भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम प्रातः 8.15 बजे शुरू होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और सर्व समाज के लोगों की भागीदारी रहेगी। आयोजकों ने बताया कि देबारी क्षेत्र में पहली बार महाराणा प्रताप जयंती का विशाल आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। आयोजन समिति ने मेवाड़ की पावन धरा से प्रेम रखने वाले सभी समाजों के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। देवड़ा नोबल्स सोसायटी मेवाड़ के संगठन मंत्री उदय सिंह देवड़ा ने बताया कि यह आयोजन महाराणा प्रताप के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं स्वाभिमान की भावना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह आयोजित

मेवाड़ जगत

उदयपुर। महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को श्री मेवाड़ सगसजी लोकसेवा संस्थान, मातृ-कृपा सेवा संस्थान तथा स्वतंत्रता सेनानी मास्टर किशनलाल वर्मा सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान परिसर में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष कुंवर विजय सिंह कछवाहा ने की। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में महाराणा प्रताप के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत जीवन पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का आदर्श जीवन आज भी समाज को प्रेरणा देता है और युवाओं को उनके सिद्धांतों से सीख लेकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। समारोह में समाजसेवी प्रमोद वर्मा, रामनाथ सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को संस्थान एवं ट्रस्ट की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान अध्यक्ष कुंवर विजय सिंह कछवाहा ने बताया कि बुधवार को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मोती मगरी पहुंचकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। इसके बाद सभी कार्यकर्ता शोभायात्रा में शामिल होकर भंडारी दर्शक मंडप में आयोजित मुख्य समारोह में सहभागिता निभाएंगे। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ एनजीओ एंड ट्रस्ट के प्रदेश महासचिव कुंवर विजय सिंह कछवाहा ने दी।

ट्रेक्टर लेकर खेत में घुसने से मना करने पर दो युवकों पर जानलेवा हमला

उदयपुर। खेत में ट्रेक्टर लेकर खेत में घुसने से मना करने पर एक परिवार के सदस्यों ने दो युवकों पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार रमेश पुत्र कनू कलासुआ निवासी सुखवावडी नयागांव ने रिपोर्ट दी कि 12 जून को दोपहर 2 बजे हम दोनो कमलेश पुत्र कावा खेत पर थे। तब अल्पेश पुत्र भूरा ट्रेक्टर लेकर घुस रहा था तो हमने मना किया तो उसने उसके प्रकाश पुत्र भूरा, लक्ष्मण पुत्र भूरा, मनोज पुत्र सोहन, गणेश पुत्र भूरा, भूरा पुत्र नानजी, सोहन पुत्र भूरा, शांति पुत्र नानजी निवासी सुखवावडी लट्ठ, कुल्हाड़ी सहित अन्य हथियार लेकर आए और आते आरोपियों ने हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। हमने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग गए। बाद में परिजन आए और दोनों को चिकित्सालय लेकर गए, जिसमें से कमलेश की स्थिति गंभीर है। रिपोर्ट पाटिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रश्नोत्तरी

Q1. जून 2026 के मध्य में किस दक्षिण अमेरिकी देश ने अमेजन वर्षावनों के संरक्षण और अवैध कटाई को रोकने के लिए एआई-संचालित सैटेलाइट निगरानी प्रणाली 'प्रोजेक्ट गार्जियन' को पूरी तरह सक्रिय किया है?

[A] कोलंबिया [B] ब्राजील [C] पेरू [D] वेनेजुएला

Q2. जून 2026 में राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा राज्य के पारंपरिक हस्तशिल्पियों के उत्पादों को सीधे वैश्विक स्तर पर बेचने के लिए किस नए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को री-लॉन्च किया गया है?

[A] राज-शिल्प पोर्टल [B] राजस्थली ऑनलाइन [C] मरुधरा बाजार [D] राज-मार्केट एप

Q3. राजस्थान बजट और आर्थिक समीक्षा के अनुसार, राज्य में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाली 'डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम' योजना राज्य के कुल कितने जिलों की पंचायत समितियों में क्रियान्वित की जा रही है?

[A] 4 जिलों में (पश्चिमी राजस्थान) [B] 6 जिलों में (मेवात क्षेत्र)

[C] 8 जिलों में (पूर्वी/दक्षिण-पूर्वी राजस्थान) [D] 12 जिलों में (जनजातीय क्षेत्र)

Q4. अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में, इसके 'दक्षिणी अरावली' भाग के भूगोलीय लक्षणों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस क्षेत्र में राजस्थान की सर्वोच्च पर्वत्त चोटी 'गुरु शिखर' (1722 मीटर) स्थित है, जिसे कर्नल जेम्स टॉड ने 'संतों का शिखर' कहा था।
2. उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में कुंभलगढ़ और गोगुंदा के बीच स्थित पठारी भाग को 'उपरमाल का पठार' (Uparmal Plateau) कहा जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

[A] केवल 1 [B] केवल 2 [C] 1 और 2 दोनों [D] न तो 1 और न ही 2

Q5. जोधपुर ग्रामीण जिले में स्थित 'ओसियां' के जैन और हिंदू मंदिरों के संदर्भ में कौन सा कथन असत्य है?

[A] ओसियां के अधिकांश मंदिरों का निर्माण 8वीं से 12वीं शताबी के दौरान 'गुर्जर-प्रतिहार' शासकों के काल में हुआ था।

[B] यहाँ का प्रसिद्ध 'सच्चियाय माता का मंदिर' ओसवालों की कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है।

[C] ओसियां को अपने बेजोड़ भव्य मंदिरों के कारण 'राजस्थान का भुवनेश्वर' भी कहा जाता है।

[D] यहाँ स्थित प्रसिद्ध महावीर जैन मंदिर का निर्माण चौहान शासक पृथ्वीराज तृतीय के समय हुआ था।

प्रश्नों के उत्तर भेजे 9079051521 पर जो भी प्रतिभागी और पाठक नियमित प्रश्न के उत्तरों के जवाब देंगे उन्हें आकर्षक गिफ्ट दिया जाएगा

कल के अंक के उत्तर - 1 (B) 2 (C) 3 (B) 4 (A) 5 (C)

Dr. ANUSHKA
GROUP OF INSTITUTES

रचका कुआं में महादेव मूर्ति स्थापना महोत्सव का शुभारंभ

मेवाड़ जगत

भटेवर। वल्लभनगर उपखंड क्षेत्र के रचका कुआं गांव में नवनिर्मित महादेव मंदिर में भगवान महादेव की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तीन दिनों तक धार्मिक आयोजन सम्पन्न होंगे। महोत्सव के प्रथम दिवस पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन एवं आहुतियों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अवधेशानंद महाराज सूरजकुंड के सान्निध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते, गाते और नृत्य करते हुए कलश यात्रा में शामिल हुए। पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा और जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत आगामी दिनों में विशाल भजन संध्या, धार्मिक अनुष्ठान, हवन, पूजन एवं भगवान महादेव की मूर्ति स्थापना सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन के तहत 17 जून को पूर्ण विधि-विधान के साथ मूर्ति स्थापना के साथ महोत्सव का समापन किया जाएगा। इस अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा।

आपसी विवाद में मारपीट, एक युवक के सिर में आए पांच टांके

उदयपुर। दुकानदार पर बैठे एक युवक की एक अन्य से बहस होने पर युवक ने लट्ठ से हमला कर एक युवक को घायल कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दीपक पुत्र बाबूलाल गमेती निवासी गमेती मोहल्ला गणेश नगर पायडा ने रिपोर्ट दी कि 14 जून को 3.30 बजे मैं मेरे दोस्तो के साथ पुल पार्टी कर के जगदीश कबाडी वाले की दुकान पर आया, जिसमे हम दोनो दोस्त नंदू व दीपू थे। उस समय योगेश भोई से नंदू की कहासुनी हो गई और देखते ही देखते योगेश अन्दर से लट्ठ लेकर आया तो मै नंदू को बचाने गया तो लट्ठ मुझे लग गया ।

आरटीओ में खत्म हुई फाइलों की दौड़

अब घर बैठे मिलेंगी 58 सेवाएं, डिजिटल व्यवस्था से कतारों चक्करों और दलालों से मिलेगी राहत

मेवाड़ जगत

उदयपुर। परिवहन विभाग ने आमजन को राहत देने और सेवाओं को पारदर्शी एवं सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में 1 जून से सामान्य इनवर्ड व्यवस्था बंद कर दी गई है। इसके साथ ही लाइसेंस, वाहन पंजीयन, एनओसी, परमिट समेत अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं। इस बदलाव से न केवल कार्यालयों में भीड़ कम होगी, बल्कि लोगों को घंटों कतारों में खड़े रहने और बार-बार आरटीओ के चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिलेगी।

वर्षों पुरानी इनवर्ड व्यवस्था हुई समाप्त- आरटीओ कार्यालयों में इनवर्ड शाखा लंबे समय से प्रत्येक आवेदन की प्रवेश प्रक्रिया का मुख्य केंद्र रही है। ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, परमिट, एनओसी अथवा अन्य किसी भी कार्य के लिए आवेदकों को पहले दस्तावेज इनवर्ड शाखा में जमा कराने पड़ते थे। यहां से फाइलें संबंधित शाखाओं तक पहुंचाई जाती थीं और पूरी प्रक्रिया कागजी कार्रवाई पर आधारित रहती थी। अब इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर आवेदन प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

उदयपुर आरटीओ में कम हुआ भीड़ का दबाव- उदयपुर आरटीओ कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते रहे हैं। इनमें ऐसे आवेदकों की संख्या भी काफी रहती थी जो केवल आवेदन जमा कराने या उसकी स्थिति जानने के लिए कार्यालय आते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद कार्यालय में भीड़ का दबाव कम हुआ है, वहीं कर्मचारियों को भी फाइलों के भौतिक प्रबंधन और रिकॉर्ड संधारण से राहत मिली है।

वाहन और सारथी पोर्टल पर उपलब्ध हैं 58 सेवाएं- परिवहन विभाग ने वाहन और सारथी पोर्टल के माध्यम से कुल 58 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई हैं। अब आवेदक घर बैठे आवेदन कर सकते हैं, आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं, शुल्क जमा कर सकते हैं तथा आवेदन की स्थिति की ऑनलाइन निगरानी भी कर सकते हैं। इससे प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सुविधाजनक बन गई है।

दलाल संस्कृति पर लगेगा अंकुश- आरटीओ कार्यालयों में लंबे समय से बिचौलियों और दलालों की सक्रियता चर्चा का विषय रही है। कई आवेदक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में बिचौलियों पर निर्भर रहते थे। नई डिजिटल व्यवस्था में आवेदन और दस्तावेज सीधे ऑनलाइन जमा होने से आवेदक और कर्मचारियों के बीच अनावश्यक संपर्क कम हुआ है। अधिकारियों का मानना है कि इससे दलालों की भूमिका स्वतः सीमित होगी और भ्रष्टाचार की संभावनाओं में भी कमी आएगी।

इनवर्ड व्यवस्था बंद करना परिवहन विभाग के डिजिटाइजेशन अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे आमजन को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, समय और संसाधनों की बचत होगी तथा सेवाओं का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

- मुकेश डाड, जिला परिवहन अधिकारी

भटेवर में मालिया वाला श्याम हनुमान मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

मेवाड़ जगत

भटेवर। वल्लभनगर उपखंड क्षेत्र के भटेवर कस्बे में स्थित प्रसिद्ध मालिया वाला श्याम हनुमान मंदिर में सोमवती अमावस्या पर दर्शन को लेकर आस्था का सैलाब उमड पडा। सेवा समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ सम्पूर्ण किया गया। जिसमें सेवा समिति के चुन्नीलाल जणवा, भंवर लाल जणवा, हुक्मी चन्द्र सुथार, जगदीश खारोल, रोशन प्रजापत, डालचंद्र प्रजापत, नरेश आमेटा, हीरालाल लोहार, पूरण धाकड, इंद्रलाल सुथार, किशन लाल खारोल, मीठालाल जणवा सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा अखंड रामायण पाठ का वाचन किया गया। रामायण पाठ के संपूर्ण होने पर पंडित ओमप्रकाश औदीच्य व गोविंद

औदीच्य के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित हवन में गणेश लाल लोहार द्वारा आहुतियां अर्पित करते हुए जनकल्याण की कामनाएं की। पुजारी भेरुदास वैष्णव द्वारा पूजा अर्चना एवं आकर्षक श्रृंगार धारण करवाकर आरती की गई। वही समिति के गोपाल सोनी द्वारा हनुमानजी को आकर्षक आंगी धारण करवाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के मन्दिर में दर्शन करके क्षेत्र में खुशहाली की कामनाए की। हनुमानजी को फल फ्रूट व चूरमे का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। सोमवती अमावस्या पर मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। आपको बता दे की मालिया वाला श्याम सेवा समिति द्वारा करीबन 36 सालों से प्रतिमाह मन्दिर में अखंड रामायण के साथ अन्य धार्मिक आयोजन किए जारहे हैं।

चिकित्सालय में उपचार के लिए आए युवक की जेब से 29 हजार रूपए निकाले

उदयपुर। एमबी चिकित्सालय में अपना, पत्नी और बच्चे का उपचार करवाने आए एक युवक के जेब से एक बदमाश 29 हजार रूपए निकालकर भाग गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनीष पुत्र हस्तीमल मेहता निवासी खैरोदा ने रिपोर्ट दी कि एमबी हॉस्पीटल में मेरा, मेरे बच्चे व मेरी पत्नी का इलाज करवाने आया। 15 जून को को सुबह 11 बजे मेरे जेब से 29 हजार 800 रूपए एक अज्ञात लड़का उसकी जेब से निकाल कर भाग गया। जैसे ही मेने टोकन काउण्टर पर मेरे टोकन न बर 100 के लिए हाथ बढाया तो एक लडका मेरे जेब से 29 हजार 800 रूपए निकाल कर भाग रहा था। मैने जेब पर हाथ लगाया तो पैसे नहीं थे। पता चलते ही तुरंत मैने गार्ड व स्टाफ को जानकारी दी।

नौकरी बचाने की मांग को लेकर निविदा नर्सेज ने सौंपा ज्ञापन

उदयपुर। सेवा समाप्ति की आशंका के बीच निविदा नर्सेज ने अपनी नौकरी बचाने की मांग को लेकर प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ से गुहार लगाई। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन उदयपुर के जिलाध्यक्ष प्रवीण चरपोटा के नेतृत्व में नर्सेज के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर रोजगार सुरक्षित रखने की मांग की। संभागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि निविदा नर्सेज पिछले दो-तीन वर्षों से अल्प मानदेय पर अस्पतालों में मरीजों की सेवा कर रही हैं। ऐसे में अचानक नौकरी समाप्त होने से उनके सामने परिवार के पालन-पोषण का संकट खड़ा हो जाएगा। नर्सेज ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी सेवाएं जारी रखने की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अस्पतालों में निरंतर सेवाएं दी हैं। इस दौरान प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षक डॉ. आर.एल.सुमन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान संरक्षक सत्यवीर सिंह तंवर, प्रदेश सचिव लालचंद ऐचरा, सकीला अंसारी सहित बड़ी संख्या में निविदा नर्सेज मौजूद रहीं।

विप्र समाज की गौरवशाली प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान

मेवाड़ जगत

उदयपुर। विप्र फाउंडेशन, जोन 1-ए के शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक निंबार्क बीएड कॉलेज, उदयपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एच.आर. दवे ने की। बैठक में प्रकोष्ठ पदाधिकारियों, शिक्षाविदों एवं समाज के विभिन्न घटकों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 12 जुलाई को विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। समारोह में आईएएस, आरएएस, आरजेएस, आरपीएस एवं अन्य उच्च प्रशासनिक, न्यायिक एवं शासकीय सेवाओं में चयनित विप्र प्रतिभाओं के साथ-साथ एमबीबीएस, सीए, सीएस एवं राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतिभाओं तथा विद्यालय की 10 वीं 12 वीं बोर्ड एवं महाविद्यालय स्तर पर 85 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समाज के सफल अधिकारियों, चिकित्सकों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कंपनी सेक्रेटरी, खेल प्रतिभाओं एवं अन्य विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों के अनुभवों का लाभ युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की समुचित जानकारी प्राप्त होगी तथा उनमें उच्च उपलब्धियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एच.आर. दवे ने कहा कि समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करना केवल उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा-स्रोत तैयार करना है। उन्होंने कहा कि विप्र फाउंडेशन का उद्देश्य समाज की सफल प्रतिभाओं को विद्यार्थियों से जोड़कर एक सशक्त मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप तंत्र विकसित करना है, जिससे अधिकाधिक युवा प्रशासनिक, न्यायिक, चिकित्सा, वित्तीय, खेल एवं अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित कर सकें।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सम्मान समारोह हेतु पात्र मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाओं के पंजीयन के लिए शीघ्र ही गूगल फॉर्म जारी किया जाएगा। विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर 85 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव गणेश नागदा के अनुसार कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर दायित्वों का निर्धारण किया गया। समितियों को प्रचार-प्रसार, प्रतिभा पंजीयन, अतिथि समन्वय, मंच व्यवस्था, स्वागत, वित्तीय प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थागत कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि बैठक में डॉ. शोभालाल औदिच्य, सत्य प्रकाश त्रिवेदी, राजेश पालीवाल, दिनेश शुक्ला, गोपाल मेहता, प्रेम औदिच्य, भूपेंद्र श्रीमाली, भूपेंद्र शर्मा, जयप्रकाश श्रीमाली, प्रदीप गर्ग, सुशील वशिष्ठ, डॉ. लक्ष्मी नारायण दशोरा सहित अनेक प्रबुद्ध विप्रजन उपस्थित रहे। संचालन लोकेश पालीवाल ने किया तथा अंत में धन्यवाद डॉ. भगवती शंकर व्यास ने किया।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में शुरू हुई रोबोटिक सर्जरी

मेवाड़ जगत

अजमेर। राजस्थान के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह पहल राज्य में आधुनिक, सटीक और तकनीक आधारित चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के दौरान एसएसआई मंत्रा रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विशेषज्ञताओं में सफल रोबोटिक सर्जरी की गईं। जनरल सर्जरी विभाग में रोबोटिक पित्ताशय ऑपरेशन और हर्निया सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की गई, जबकि कार्डियक सर्जरी विभाग में रोबोटिक तकनीक से एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट (एएसडी) क्लोजर जैसी जटिल हृदय सर्जरी भी सफल रही। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह पहल राजस्थान के मरीजों को विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही चिकित्सा छात्रों और युवा चिकित्सकों को नवीनतम सर्जिकल तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। एसएस इनोवेशन्स के संस्थापक एवं विश्वविख्यात रोबोटिक कार्डियक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य सेवाओं में स्वदेशी तकनीक के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी प्रणाली की स्थापना चिकित्सा शिक्षा, शल्य चिकित्सा उत्कृष्टता और रोगी देखभाल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा,।

जनुभाई की जयंती पर श्रद्धांजलि, सपनों को साकार करने का लिया संकल्प

मेवाड़ जगत

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दनराय नागर (जनुभाई) की 115वीं जयंती पर मंगलवार को प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में पुष्पांजलि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनुभाई एवं नई शिक्षा नीति-2020 विषय पर विचार.विमर्श हुआ। कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि जनुभाई ने आजादी से पूर्व लालटेन के माध्यम से मेवाड़ में शिक्षा की अलख जगाई और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों का विकास होना चाहिए।

कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि जनुभाई का जीवन शिक्षा, सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। नई शिक्षा नीति-2020 भी उनके शिक्षा दर्शन के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल और नैतिक मूल्यों पर बल देती है। संगोष्ठी से पूर्व विद्यापीठ परिसर में स्थापित जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में विद्यापीठ के डीन, निदेशक, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेवाड़-वागड़ के मेडिकल एवं पैरामेडिकल कॉलेजों को मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी में शिफ्ट करने का विरोध

मेवाड़ जगत

उदयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस (आरयूएचएस), जयपुर से संबद्ध मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के नर्सिंग, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, लैब टेक्नीशियन एवं अन्य पैरामेडिकल कॉलेजों को मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में आज उदयपुर संभाग के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संचालकों, प्राचार्यों एवं शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त को अवगत कराया कि मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के हजारों विद्यार्थी वर्तमान में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, जयपुर से संबद्ध संस्थानों में अध्ययनरत हैं। ऐसे में इन कॉलेजों को मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी

में स्थानांतरित करना विद्यार्थियों एवं शिक्षण संस्थानों के हित में नहीं है। वर्तमान समय में वहां ऐसी पर्याप्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे इन पाठ्यक्रमों का सुचारू संचालन किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस विषय पर पूर्व में भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अपना विरोध दर्ज कराया था। उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री को ज्ञापन देकर मेवाड़-वागड़ के कॉलेजों को आरयूएचएस, जयपुर से यथावत संबद्ध रखने की मांग की थी। विधायक श्रीचंद कृपलानी ने इस विषय को राजस्थान विधानसभा में भी उठाया था, जिसके बाद चिकित्सा मंत्री द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का आश्वासन दिया गया। इस समिति की अध्यक्ष उदयपुर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को बनाया गया तथा मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस के कुलपतियों को भी इसमें शामिल किया गया। समिति की रिपोर्ट अभी लंबित है। इसी संदर्भ में आज शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने आयुक्त से मुलाकात कर विद्यार्थियों एवं संस्थानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजने का आग्रह किया। उदयपुर नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश राजानी ने बताया कि इस विषय को लेकर पूर्व में भी मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि बार. बार इस प्रकार की चर्चाओं एवं प्रस्तावों से हजारों विद्यार्थियों के मन में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और अनिश्चितता का वातावरण बन रहा है। हरीश राजानी ने संभागीय आयुक्त से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री को ऐसी रिपोर्ट भेजें जो विद्यार्थियों, शिक्षण संस्थानों तथा मेवाड़. वागड़ क्षेत्र के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हो। उन्होंने कहा कि बिना पर्याप्त आधारभूत सुविधाओं एवं सभी पहलुओं की गहन समीक्षा के यदि इन संस्थानों को मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी में स्थानांतरित किया जाता है तो इससे हजारों विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। राजानी ने कहा कि मेवाड़-वागड़ क्षेत्र लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करता आया है। जिस प्रकार उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर वर्षों से क्षेत्र के लोग आंदोलन कर रहे हैं और छोटी-छोटी न्यायिक आवश्यकताओं के लिए जोधपुर जाना पड़ता है, उसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में भी मेवाड़.वागड़ की आवश्यकताओं और क्षेत्रीय हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेवाड़. वागड़ के समस्त नर्सिंग, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, लैब टेक्नीशियन एवं अन्य पैरामेडिकल शिक्षण संस्थानों के संचालकों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की एक स्वर में मांग है कि इन संस्थानों को पूर्ववत राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, जयपुर से ही संबद्ध रखा जाए।

नियमितीकरण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे शिक्षक

मेवाड़ जगत

उदयपुर। नियमितीकरण की मांग को लेकर राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ के बैनर तले मंगलवार को उदयपुर में पंचायत शिक्षकों और विद्यालय सहायकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। संभागभर से पहुंचे सैकड़ों शिक्षकों ने टाउन हॉल से जिला कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद शिक्षक कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर सड़क पर बैठ गए और लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान की

मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे पिछले 18 वर्षों से विभिन्न पदों पर संविदा आधार पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनका नियमितीकरण नहीं किया गया।संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि बजट वर्ष 2025-26 में उपमुख्यमंत्री द्वारा पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायकों को नियमितीकरण के लिए अनुभव में दो वर्ष की छूट देने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक इसका विभागीय आदेश जारी नहीं हुआ है। इससे प्रदेश के करीब 23 हजार 740 संविदा कर्मियों में भारी असंतोष व्याप्त है। उदयपुर संभाग अध्यक्ष जितेन्द्र मेहता ने कहा कि पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक लगातार शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि सीएसआर रूल्स-2022 के तहत नियमितीकरण की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जानी चाहिए ताकि हजारों संविदा कर्मियों को राहत मिल सके।

अपनों से अपनी बात कार्यक्रम सेवा महातीर्थ में शुरू

उदयपुर। दीन-दु:खियों एवं दिव्यांगजनों की सेवा के लिए समर्पित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, बड़ी परिसर में 16 से 20 जून तक पांच दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम अपनों से अपनी बात का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित किया जाएगा। संस्थान द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगजन, उनके परिजन, सेवाभावी सहयोगी तथा संस्थान से जुड़े कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजन परिवारों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करना, उनके अनुभवों को सुनना तथा सेवा कार्यों से जुड़े प्रेरक-प्रसंगों को साझा करना है। साथ ही प्रतिभागियों को अपने विचार, अनुभव एवं सुझाव रखने का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्थान की सेवा गतिविधियों एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, समाज और परिवार भी उसका सम्मान करते हैं। समय का सदुपयोग ही सफलता और आत्मनिर्भरता की कुंजी है। उन्होंने दिव्यांगजनों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

मेवाड़ जगत

(हल्दीघाटी युद्ध की 450 वीं वर्षगांठ पर विशेष)

आक्रान्ता मुगलों पर विजय का प्रतीक था हल्दीघाटी युद्ध

हमारे यहां इतिहास लेखन में बहुत त्रुटियां हुई है। सच को झुठलाते हुए इतिहास को तोड.मरोड कर प्रस्तुत किया गया है। यह विडम्बना ही है कि आजादी के बाद पाठ्यक्रमों में भी भारत का इतिहास इसी का शिकार रहा। मैं शिक्षक रहा हूं और शोधार्थी भी। इसलिए जब इतिहास की गहराई में गया तो बहुत सी कडवी सच्चाईयां पता चली। दरबारी इतिहासकारों ने जो लिखा, उसी आधार पर हमारे यहां विद्यालयों में अकबर महान पढ़ाया जाने लगा था। राजस्थान के शिक्षा मंत्री के रूप में जब काम करने का अवसर मिला तो मैने इसे बदलते हुए महाराणा प्रताप महान पढ़ाने की शुरूआत की। पूरे तथ्यों के साथ इस बात को हमने अपनी पाठ्य पुस्तकों में प्रमाणित किया कि हल्दी घाटी का युद्ध और बाद में दिवेर के युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को स्थाई रूप से मेवाड से खदेड दिया था। महाराणा प्रताप की विजय पर जो लोग प्रश्न उठाते हैं, उन्हें इस बात को जानना चाहिए कि दरबारी इतिहासकारों ने ऐतिहासिक घटनाक्रमों की बजाय प्रशस्ति गान किया है। इसमें कपोल-कल्पनाएं करते हुए तत्कालीन शासक को प्रसन्न करने के लिए गाथाएं गढ़ ली गई है। यह ऐतिहासिक सत्य है कि अकबर इस बात को जानता था कि महाराणा प्रताप को सीधे लडाई में कभी हराया नहीं जा सकता है। दरबारी इतिहासकार भी इस बात को जानते हैं, इसलिए प्रताप की वीरता को उन्होंने अस्वीकार नहीं किया है। असली बात यह है कि अकबर चाहता था कि हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप को बंदी बना लिया जाए और फिर मार दिया जाएं ताकि पूरे हिन्दुस्तान में उसके विरोध के एकमात्र कारण को ही समाप्त कर दिया जाए। इसलिए उसने आमेर के राजा मानसिंह को सेनापति चुना और हल्दीघाटी युद्ध में प्रताप को बंदी बनाने भेजा। मुगलों की भारी.भरकम सेना के आगे महाराणा प्रताप की सेना बहुत ही कम थी, पर फिर भी महाराणा प्रताप ने अदम्य वीरता का परिचय देते हुए हल्दीघाटी का युद्ध जीता।

इतिहास की घटनाओं पर गौर करें, तो हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को हुआ। अकबर की ओर से मुगल सेना का नेतृत्व आमेर के राजा मान सिंह (प्रथम) ने किया। महाराणा प्रताप स्वयं अपने भाई शक्ति सिंह, हकीम खान सूरी आदि के साथ युद्ध में डटे हुए थे। मुगलों की सेना लगभग एक लाख के करीब थी जबकि महाराणा प्रताप के पास मात्र बीस हजार से पच्चीस हजार सैनिक थे। महाराणा जानते थे कि युद्ध में इस बहुत कम सेना से मुगलों को हराना आसान नहीं है, इसलिए उन्होंने छापामार युद्ध और कूटनीति का सहारा लिया। हल्दीघाटी की संकरी घाटियों में उन्होंने मुगलों को घेरने और भ्रमित करने के साथ डराकर छुपकर हमले किए। महाराणा की बडी शक्ति तब उनके साथी भील योद्धा थे। यह वह योद्धा थे जो पेडों और दुर्गम घाटियों, चट्टानों और पहाडियों में छुपकर वार करने में माहिर थे। उनके सहयोग से महाराणा प्रताप ने मुगलों की बडी सेना को घेर कर हमले किए। मुगल सेना थोडे समय में ही उखड गई। पूरा हल्दीघाटी का मैदान रक्त से भर गया। एक तरह से रक्त की नदी बहने लगी थी। इसी कारण हल्दी घाटी को आज भी रक्ततलाई कहा जाता है। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के घोडे चेतक ने भी बहुत निर्णायक भूमिका निभाई। चेतक की भूमिका साहसिक, वफादारी से भरी और ऐतिहासिक थी। इतिहास के कुछ कथानकों में यह भी मिलता है कि युद्ध में चेतक के चेहरे पर हाथी का मुखौटा लगाया गया था, ताकि मुगल सेना के हाथियों को भ्रमित किया जा सके। युद्ध में एक अवसर वह भी आया जब चेतक ने अदम्य साहस दिखाते हुए मुगल सेनापति राजा मानसिंह के हाथी की सूंड पर अपने आगे के दोनों पैर रख दिए थे ताकि महाराणा प्रताप मानसिंह पर सीधा वार कर सकें। इस दौरान मानसिंह के हाथी की सूंड में बंधी तलवार से चेतक का एक पैर बुरी तरह कट गया था। महाराणा प्रताप ने मानसिंह पर पूरी ताकत से वार किया परन्तु शरीर पर कवच होने के कारण मानसिंह बच गया। लडाई में चेतक बुरी तरह से घायल हो गया। तीन पैरों पर गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, चेतक ने स्वामीभक्ति का परिचय देते हुए अपने स्वामी को सुरक्षित रखा और अपने प्राण त्याग दिए। महाराणा प्रताप की सेना के आक्रमण का वेग इतना तीव्र था कि मुगल सैनिक जान बचाकर बनास के दूसरे किनारे 10.15 किलोमीटर दूर तक भाग खडे हुए। बहुत सुनियोजित तरीके से बाद में विजयादशमी को दिवेर में मुगल सेना पर महाराणा प्रताप ने निर्णायक आक्रमण किया और मेवाड से स्थाई रूप से मुगलों को खदेड दिया। इस युद्ध में अमर सिंह ने मुगल सेनापति पर भाले से इतना जोरदार प्रहार किया कि उसे भेदते हुए भाला जमीन में धंस गया। दिवेर युद्ध में छत्तीस हजार की मुगल सेना ने महाराणा प्रताप और अमर सिंह के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। यह ऐतिहासिक तथ्य है। इससे भी यह प्रमाणित होता है कि युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने विजय के प्रतीक के रूप में एक साल तक ताम्रपत्रों के माध्यम से दान और भूमि का वितरण किया। यह कोई स्वतंत्र राजा ही तब कर सकता था। यह भी इतिहास की कुछ पुस्तकों में मिल जाएगा कि अपनी विशाल सेना के बावजूद महाराणा प्रताप को जब अधीन करने में अकबर असमर्थ रहा तो वह अपने सेनापतियों से बहुत नाराज हुआ था। उसने क्रोधित होकर अपने सेनापतियों, जिसमें राजा मानसिंह और आसफ खान प्रमुख थे, इन्हें अपने दरबार में आने से रोक दिया था। हल्दीघाटी का युद्ध निर्णायक था। इसी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को यह अहसास करा दिया था कि वह उन्हें कभी अधीन नहीं कर सकते। एक भय उन्होंने मुगल सैनिकों में इसी युद्ध से पैदा किया कि महाराणा से युद्ध करने का अर्थ है, अपना रक्त बहाना। मैं यह मानता हूं कि हल्दीघाटी का युद्ध राजस्थान ही नहीं भारतीय इतिहास की अपूर्व गौरवगाथा है। महाराणा प्रताप ने हल्दीघाटी के युद्ध में अपने अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम का ही प्रदर्शन नहीं किया बल्कि सूक्ष्म रणनीतिक सूझ से मेवाड की सदा-सदा के लिए स्वाधीनता की राह प्रशस्त की थी।

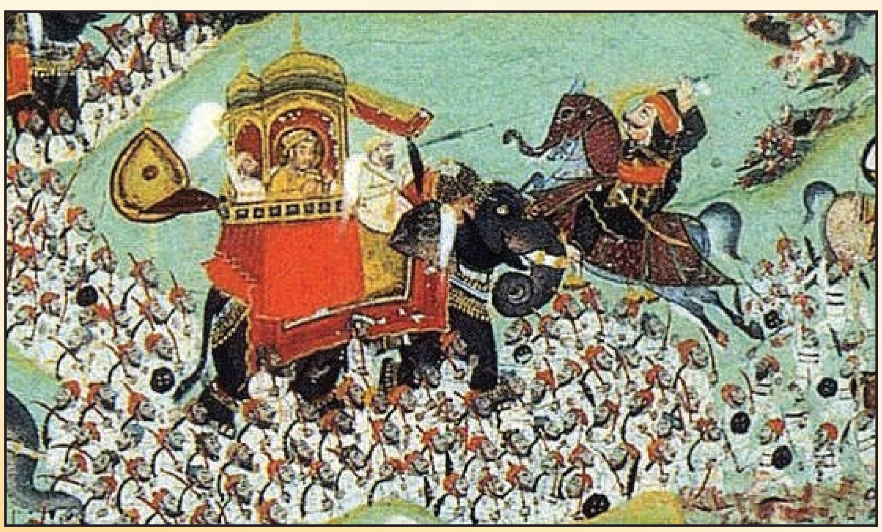

वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा